

एक नजर

झायवर्सन रोड धूंसने से हाइवा पलटा



मेराल। निर्माणीय एनएच 75 सड़क पर हाई स्कूल एवं बस स्टैंड के बीच कंबला रोड के समीप शनिवार को सुहृद झायवर्सन रोड धूंसने से हाइवा पलट गया। जानकारी के अनुसार मेराल में फ्लाईओवर निर्माण का कार्य एमजी कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया जा रहा है। लेकिन सड़क के किनारे दोनों तरफ अतिक्रमण मुक्त नहीं होने की आशंका थी ऐसे दिन मेराल में जाय की स्थिति बनी रहती है। घटना के संबंध में टक्का चालक मिथुन वक्रवर्ती ने बताया कि सड़क में भारवर मिठी के काणण राख दें से लोड हाइवा गाड़ी का पिछला चका चाला गया। जिससे अनियंत्रित होकर गाड़ी पलट गई। गाड़ी पलटने के बावजूद चालक बाल-बाल बच गया। चालक ने बताया कि राखड़ को लेकर डाल्नांगर जा रहे थे।

बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त, एक घायल
मेराल। मेराल थाना क्षेत्र के गेहूआ गांव निवासी हरु चौधरी का पुत्र देव प्रकाश चौधरी एवं कुलदीप चौधरी का पुत्र अंशु कुमार चौधरी मोर्टारसाइकिल दुर्घटना में घायल हो गया। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद देव प्रकाश चौधरी को देखते हुए चकिसकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के संबंध में बताया गया कि देव प्रकाश चौधरी एवं उसके गांव के कुमार चौधरी एक मोर्टरसाइकिल पर सवार होकर अपने धूंसे से सुंदीप शादी समारोह में वीडियोफोनी करने के लिए जारी रहा था। इसी दौरान महिला अवधारणा के पास मोर्टरसाइकिल नियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के बाद अस्पताल के लोगों ने उसे घायल अवस्था में उठाकर सदर अस्पताल भेज दिया गया।

गढ़वा के चिनिया में महिला कुएं में गिरी चल रहा इलाज

गढ़वा। चिनिया थाना क्षेत्र के खारी गांव निवासी प्रोग्राम धूंसों की पर्ती रिकी देवी कुमार आंशु मिरने से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि रिकी देवी कुमार आंशु पानी भरने गई हुई थी। इसी दौरान कुएं में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल के लोगों ने उसे कुएं से निकाल कर गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

उद्योग नगरी

डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 28 अप्रैल 2024

न्यूज बॉक्स

कॉलेज में 10 मई से मिलेगा इंटर का नामांकन फॉर्म



घाटशिला। घाटशिला कॉलेज में इंटरमीडिएट कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में नामांकन हेतु 10 मई से नामांकन का प्रोसेक्युटस मिलेगा। विद्यार्थी नामांकन को लेकर अपना नामांकन फॉर्म प्राप्त कर 20 मई काले कॉलेज आकर जमा करना सुनिश्चित करेंगे। प्रात अवेदन का मेरिट लिस्ट लोकसभा चुनाव के बाद 30 मई को प्रकाशित किया जाएगा तथा उसी दिन से नामांकन भी लिया जाएगा। नामांकन को लेकर प्राचीर्य डॉ आरके चौधरी के साथ इंटरमीडिएट के कर्मचारियों की बैठक हुई। बैठक में ज्ञानखंड एकेडमिक कार्यालय (जैक) द्वारा पूर्व निर्धारित सभी संकायों में सीटों की कटौती पर चर्चा हुई। जैक से प्राप्त पत्र के अनुसार प्रत्येक संकाय में पात्र 384 नामांकन ही लेना है। इस संदर्भ में नियंत्रण लिया गया की तत्काल 384 सीटों पर ही आरक्षण के नियमों का अनुपलब्ध करेंगे। नामांकन लिया जाएगा। सीट की बढ़ोत्तरी होने पर आवंटन की विस्तारित किया जाएगा। बैठक में प्राचीर्य डॉ चौधरी के साथ अधियायोगी, इंदल पासवान, लेखपाल चंदना मुखर्जी, नामांकन सहायक गुरु राम मुर्मू, रघुनाथ मुर्मू, संजय मार्डी, सूर्यदेव दुड़ि, मुख्य रूप से उपरितथ थे।

मुखिया ने दिलाई मोहल्ले के लोगों को पेयजल की समस्या से निजात

घाटशिला। घाटशिला प्रखंड के पावडा पंचायत अंतर्गत ढोडाडीह मुहल्ले में पिछले एक पखाड़े के चापानल खारब पड़ा था। 15 दिनों से पेरेशान मोहल्ले वासियों ने शनिवार को पंचायत के मुखिया पार्वती मुर्मू से गुहार लगाई। मुखिया ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए चापानल की मम्मत मम्मत कराई।



मोहल्ले के लोगों ने इस कार्य के लिए मुखिया पार्वती मुर्मू के प्रति आभार व्यक्त किया। जात हो विषये पिछले 15 दिनों से मुहल्ले के लोगों को पोंपे के लिए पानी की किलतां हो गई थी। आसपास के मुहल्ले से किसी तरह से पानी की व्यवस्था कर पानी पी रहे थे। इस मुहल्ले के लोग इसी चापानल से पानी लेते हैं। चापानल खारब होने पेरेशान लोग चापानल मम्मत के लिए विभागीय अधिकारियों से कई बार गुहार लगाया है पर कई ठोस कार्यवाही नहीं किए। जाने से लोगों के समक्ष पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई थी। मुखिया के प्रयास से ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से निजात मिली।

रोमांचक फाइनल में सुपर किंग्स टिनप्लेट को



हरा गबरु मानगो ने जीता सीएलएस का खिताब

जमशेदपुर। गबरु-मानगो ने शनिवार खेल का प्रदर्शन करते हुए रोमांचक फाइनल मैच में सुपर किंग्स-टिनप्लेट को पांच रनों से हरा कर प्रथम क्रिकेट लीग फॉर सिख (सीएलएस) का खिताब जीत लिया। गबरु-मानगो के हीरा को सर्वश्रेष्ठ बैटर, साकची के तजिंदर को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और सुपर किंग्स-टिनप्लेट के करण को सीएलएस श्रेष्ठला का मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। सेंलु गुद्गारा प्रबंधक कमिटी (सीपीपीसी) के तत्वावादीन में अर्मीरी मैदान में अयोजित तीन-दिवसीय क्रिकेट लीग फॉर सिख (सीएलएस) का शनिवार को तीसरा दिन था। सीएलएस श्रेष्ठला के सभी मैच अर्मीरी मैदान में खेले गए। जवाबी पारी तीसरी सुपर किंग्स-टिनप्लेट ने सर्वश्रेष्ठ पारी खेली परन्तु उत्तर चाढ़ाव वाले मैच में निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचे में नाकामयाव रही और केवल 126 रन ही बना सकी। करण ने सुपर किंग्स-टिनप्लेट के लिए सर्वाधिक 45 रन जोड़े जबकि गुप्त्रीत (24) और जगराज ने (13) रन का योगदान दिया। गबरु-मानगो की ओर से गोविंद ने दो और हीरा, जगराज और हैपी पनेरम ने एक-एक विकेट लिया। फाइनल का मैन ऑफ द मैच हीरा को चुना गया।

इंडी गठबंधन की बैठक में विनोद सिंह के नामांकन को ऐतिहासिक बनाने का लिया गया निर्णय

गिरिडीह। गावां में इंडिया गठबंधन की संयुक्त बैठक मुखिया कर्त्त्वाधीय राम के अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजद, कोप्रेस, आप, ज्ञामुमो और भाकपा माले आदि पार्टी के अध्यक्ष और कायकर्त्ता शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक राजकुमार यादव उपरित्थ के बैठक में इंडिया गठबंधन के कोडरमा लोस प्रव्यासी विनोद सिंह के नामांकन के दिन प्रखंड से हजारों की संख्या में लोगों को ले जाने का नियंत्रण लिया गया। वहीं तब किया गया कि सभी गाव में विनोद सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील को लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। वहीं एक-एक कार्यकर्त्ता केंद्र सरकार की गलत नीतियों को बताने के लिए लोगों के घर तक जाएगा। उहाँ बताया जाएगा कि भाजपा सरकार ने किंवदं लोगों को बड़े बड़े धोखाएं कर उहाँ विकास के से दूर रखा है। बैठक में इंडी गठबंधन के सभी कार्यकर्त्ताओं ने सामृहित रूप से मतदान सिंह के पक्ष में मतदान दिलाने की लोगों से अपील करेंगे। मैंके पर माले प्रखंड सचिव नागेश्वर यादव, ज्ञामुमो प्रखंड अध्यक्ष अजय शिंह, कोप्रेस प्रदेश अख्यासिक सचिव मरगुब अलम, सकलदेव यादव, सारांग चौधरी, अक्लेश यादव, अमित बरनवाल, रंधीर चौधरी, विनोद यादव, नरेश राणा, उमेश चौधरी समेत कई उपरित्थ थे।

अन्नपूर्णा देवी 2 मई को करेंगी अपना नामांकन पत्र दाखिल

गिरिडीह। एनडीए प्रधान कार्यालय गांधी चौक गिरिडीह में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह कोडरमा लोक सभा के प्रभारी विकाश प्रीतम प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। प्रेस कांफ्रेंस में गिरिडीह भाजपा जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, गिरिडीह लोकसभा के संयोजक प्रकाश सेट, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष मुकेश जालान, युवा मोर्चा के कार्यसमिति के सदस्य संजीव कुमार सिंह उपरित्थ रहे। कोडरमा लोकसभा से भाजपा के प्रव्यासी अन्नपूर्णा देवी 2 मई को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी, अन्नपूर्णा देवी ने नामांकन पत्र दाखिल करने के द्वारा उत्तर प्रदेश के दिल्ली सीएम केशव प्रसाद मोर्ची भी शामिल होंगे इसकी जानकारी शनिवार को भाजपा के प्रेस उपाध्यक्ष सह कोडरमा लोकसभा के प्रभारी विकाश प्रीतम ने प्रेस कांफ्रेंस करके दी। उहाँने कहा कि 2 मई को अन्नपूर्णा देवी और 3 मई को गांधे उपचुनाव के लिए दिल्लीप वर्मा पर्चा दाखिल करेंगे। उहाँने इस द्वारा गांधे से ज्ञामुमो की प्रव्यासी कल्पना सोरेन पर भी हमला बोला, उहाँने कहा कि एक अधिवासी मुख्यमंत्री को हटाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पांचों को गांधे विधानसभा उपचुनाव लड़वाया जा रहा है।

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, चतरा (प्रशिक्षण कोवांग)

प्रेस विज्ञप्ति

सूचना

चतरा जिलान्तर्गत केंद्र सरकार / राज्य सरकार के कार्यालयों के पदाधिकारियों / कर्मियों को एतद द्वारा सुचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार लोकसभा आम चुनाव - 2024 के सफल संचालन हेतु मतदान पदाधिकारियों (P, P1, P2 P3) का प्रशिक्षण कार्यक्रम उपेद्वाय वर्षा इंटर कोलेज, चतरा में दिनांक - 02.05.2024 की समय 10.00 AM से 02.00 PM तक निम्न रूप से आयोजित किया जाता है, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले मतदान पदाधिकारियों का नाम निम्नवत है:-

SL. NO.	PIN	NAME	DESIG.
1	341700002	MD. OBEDULLA	3
2	341700012	FULESWAR SINGH	4
3	341700040	MAHESH RAM	ASST. TEACHER
4	341700042	RAJESH KR.RAVI	T.G.T
5	341700044	MD AMIN ANSARI	P.R.T
6	341700138	TULESHWAR RAM	Asst. Teacher
7	341700140	MD AMJAD ANSARI	TGT
8	341700141	AIJAY KUMAR SINHA	
9	341700141	MANOJ KUMAR CHOURBHEY	
10	341700160	DAYANAND SINGH	
11	341700161	SAKALDEO KRSINGH	
12	341700162	MD SHIKHU SALIM	
13	341700163	BAJNATH PRASAD	
14	341700164	SUNIL KUMAR	
15	341700165	ZAINUDDIN ANSARI	
16	341700369	MD ETESHAMUL HAQUE	
17	341700422	ARVIND KUMAR	
18	341700451	ASHOK KUMAR YADAV	
19	341700466	MURSHID ALAM	
20	341700479	AVINASH KUMAR	
21	341700496	SUSHIL LAKRA	
22	341700582	PRAMOD SINGH	
23	341700623	VINOD KUMAR SINGH	
24	341700642	DHANESHWAR RAM	
25	341700645	BILESH KUMAR DAS	
26	341700659	DEEPAK KUMAR SINGH	
27	341700701	ASHOK KUMAR	
28	341700713	RANJEET KUMAR	
29	341700738	MD HALIM UDDIN	
30	341701218	JADUNAND KUMAR	
31	341701315	VINOD KUMAR	TGT
32	341701389	RAJA RAM RANJAN	TGT TEACHER
33	341701503	JITENDRA KUMAR PANDEY	TGT
34	341701743	JAYPAI BHAGAT	ASST. TEACHER
35	341701757	SURESH DUTT MISHRA	TGT
36	341701771		

पुस्तक समीक्षा

गोदियनकंसेसस

द इडिस्कवरी ऑफ भारत

है। यह हाल के वर्षों की राजनीति की उल्लेखनीय विशेषताओं का भी वर्णन करता है। लेखक विभिन्न विषयों को शामिल करते हुए और 19वीं सदी के अंत तक जाकर मोदी की राजनीति की वैचारिक जड़ों का पता लगाता है। हालांकि यह मोदी फैक्टर पर विचार करता है, लेकिन यह इसके बाहर और आगे भी देखता है। यह पुस्तक पूरी तरह से नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है कि कैसे पीएम मोदी ने भारत में राजनीति के विमर्श को बदल दिया। न केवल भाजपा अपनी राजनीति कैसे करती है बल्कि उन्होंने अन्य सभी राजनीतिक दलों को एक अलग तरीके से काम करने के लिए मजबूर किया। मोदियनरसवर्सम्मति, जिसे तीन खंडों और दस अध्यायों में व्यवस्थित किया गया है, सर्वसम्मति को पांच चरणों में वर्गीकृत करती है: सभ्यतावादी, गांधीवादी, नेहरूवादी, धर्मनिरपेक्ष औरमोदियन, जो सबसे हालिया है। तीन मानदंड, मुखर राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक जड़ता और सभी के लिए कल्पणा, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय राजनीति में इस नए अध्याय की शुरूआत की विशेषता है। पश्चिम द्वारा थोपे गए भारत के विकृत छवि का खंडन करने और 'भारत राष्ट्र' की एक अलग तस्वीर पेश करने के लिए देश के राजनीतिक इतिहास का विश्लेषण करना पुस्तक के मुख्य लक्ष्यों में से एक है। पहले अध्याय से लेकर अंतिम अध्याय

तक स्वदेश सह न सवसमात का अथ, कइ काणा से विस्तार से बताया और यह यात्रा कइ कालखंडों से होकर गुजरा है। श्री सिंह ने इमानदारी और निष्पक्षतापूर्वक स्वदेशी अंदोलन, भारतीय राजनीति में महात्मा गांधी के आगमन, नेहरूवादी सहमति, लुप्त होती नेहरूवादी सहमति और धर्मनिरपेक्ष सर्वसम्मति के बारे में लिखा। उनका दावा है कि नेहरू की संकीर्णता, खराब राजनीतिक प्रयोग और भारतीय समाज के बारे में गलत धारणा ने देश को बहुत नुकसान पहुंचाया - चाहे वह चीन के संबंध में हो, कश्मीर विवाद हो, या पंचवर्षीय योजनाओं में अंतराल हो। आगे लेखक, मोदी शासन और मोदी सरकार 2.0 की व्याख्या करते हैं। यह हमें पुस्तक के दूसरे और सबसे महत्वपूर्ण भाग में लाता है, जहां चर्चा की गई है कि 2014 में मोदी सरकार कैसे सत्ता में आई और तब से राजनीतिक परिवर्ष्य कैसे बदल गया है। अपनी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों के साथ मोदी की आम सहमति के तीन मुख्य सिद्धांतों - सांस्कृतिक जड़ता, आक्रमक राष्ट्रवाद और सभी का कल्याण - पर केंद्रित होकर मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने लोगों को नई आशा और आकंक्षाएं दीं। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए लेखक कहते हैं कि उन्होंने अपने आधुनिक लक्ष्यों को भारत के प्राचीन गौरव के साथ जोड़कर सफलतापूर्वक दो कार्यकालों तक शासन किया। योग को विश्व मंच पर ले जाने से लेकर भारत की जी20 प्रेसीडेंसी को वैश्विक, स्थानीय और मुख्य पहचान दिलाने तक, पीएम मोदी ने यह सब सुनिश्चित किया। लेखक इस बात पर भी जोर देते हैं कि कैसे पुखर राष्ट्रवाद का विचार न केवल नरेंद्र मोदी द्वारा पेश की गई राजनीति को अर्थ देता है, बल्कि 2014 से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा और भारतीय विदेश नीति में जो कुछ भी गलत था, उसे भी सामने लाता है। पिछले दस वर्षों में, पीएम मोदी ने सदैव 'राष्ट्र-प्रथम' की संकल्पना से कार्य किया है। संपूर्ण रूपसे यह पुस्तक पठनीय है।

लाल आतंक से

नक्सलवाद पर भाजपा शुरू से ही आक्रमक रहती थी। यह है, किंतु दूसरी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेताओं का व्यवहार है, उसका लगता है कि कांग्रेस ज़रूर नक्सलियों से विशेष प्रेम रखती है। इनसलिए जो कोई नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मर जाता है तो उसके नेता नक्सली के बाहर बढ़ती है।

जाकर उस प्रद्वाजाल दन में भी परहे
नहीं करते। सोचिएँ; जब देश के ब
राज्यों में जिसकी सरकार हो, वह कांग्रेस
इस तरह का कृत्य करे या इससे जुड़े नेता प्रत्यक्ष अ
प्रप्रत्यक्ष नक्सलियों से मिलते हों अथवा उनके समर्थन
आगे आएं, तब फिर यह कैसे कहा जा सकता है कि कांग्रेस
नक्सलियाद का विरोध करती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर रीज
के कांकिर में मारे गए माओवादी (नक्सली) नेता सिरीपेल
सुधाकर उर्फ शंकर राव के घर कांग्रेस की एक वरिष्ठ नेता
और तेलंगाना की कांग्रेस सरकार में मंत्री अनुसुद्धा दनस
उर्फ सीताका अभी कुछ दिन पहले ही पहुंची और 3
उनका इससे जुड़ा वांडियो भी बायरल है। जबकि उ
सर्वविदित है कि नक्सली आंदोलन में एक प्रमुख व्या
सुधाकर कई हिंसक घटनाओं में शामिल था और सुरा
बलों को उसकी तलाश थी। अब आप ही विचारें; कांग्रेस
पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता और एक राज्य तेलंगाना में
मंत्री भी हो, वह किसी नक्सली के घर जाकर उसके परिवर्त
के सामने संवेदना व्यक्त करे तो उसके इस कृत्य को व
माना जाए? क्या यह देशभक्ति है या देशदेह? ऐसे में व
लोग आज कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी के एक जिम्मेदार
नेता का यह आचरण केवल चरमपंथियों, वामपंथियों
कार्यों को महिमापंडित करने और उसे वैध बनाने के क
आता है। साथ ही यह कानून व्यवस्था बनाए रखने
सुरक्षा बलों के प्रयासों को कमजोर करते हैं। प्रश्न यह
कि क्या यह पहली घटना है, जब किसी नक्सली के प्र
कांग्रेस के नेता द्वारा हमदर्दी जाताई गई। वस्तुतः छत्तीसगढ़
के जंगल में सुरक्षाबलों ने चार घटे तक चली मुठभेड़
जब 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया जाता है, तब इस

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डया) प्र
पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखण्ड द्वारा
कार्यालय : रांची रोड, रेडिमा, मेदिनीनगर, (डाला-
गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोह
अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जि

बैलेट पेपर व वीवीपीएटी पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

वैश्विक स्तरपर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में ऐसा भी एक जमाना था जब हम बैलेट पेपर के द्वारा अपना वोट देते थे। याने अपने मनपसंद उम्मीदवार और उसके चुनाव चिह्न पर ठप्पा लगाते थे। इस व्यवस्था के दृष्टिभाव में हमने दूरदर्शन व अन्य चैनलों पर बूथ कैपचरिंग सहित बैलेट पेपरों पर धाराधार ठप्पे लगाते पेटी में डालते हुए भी चैनलों में देखे थे तथा लाइनों में खड़े मतदाताओं को भगादिया जाता था यह भी मैंने चैनलों पर स्वयं देख था। फिर समय का चक्कर ऐसा चला कि प्रौद्योगिकी का तेरीजा के साथ विकास हुआ तो मतदान में बैलेट पेपर से हटकर ईवीएम मशीनों का उपयोग कर दिया जाने लगा। फिर हमने ईवीएम की गडबड़ियों के बारे में भी अनेक आरोप प्रत्यारोप मीडिया में देखा व सुने फिर वीवीपीएटी आया, जिसमें हम देख सकते हैं कि वोट हमारे पसंदीदा उम्मीदवार को गया या नहीं, जो मैंने स्वयं ने भी 19 अप्रैल 2024 को मतदान के दौरान यह देखा, फिर इसकी पर्चियों का 100 प्रतिशत क्रॉसैंपल वेरिफिकेशन का मुद्दा आया यह सभी मुद्दे विवादों में घिरते हुए सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक जा पहुँचे, जिसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर सुनवाई पूरी की और फैसला सुरक्षित रखा था, जो दिनांक 26 अप्रैल 2024 को माननीय दो जजों की बेंच ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने वीवीपीएटी स्लिपों की 100 प्रतिशत क्रॉस चेकिंग की याचिका

को खारिज कर दिया जिसका चैप्टर अब दि एंड हो गया है। चूंकि बैलेट पेपर व एवं वीवीपीएटी पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आया है, इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस अर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के दिन सुप्रीम कोर्ट ने बैलेट पेपर व एवं वीवीपीएटी का शतप्रतिशत मिलान की मांग को झटका लगा है, परंतु फैसले का सम्मान सभी पक्ष करेंगे। साथियों बात अगर हम दिनांक 26 अप्रैल 2024 को आए माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले की करें तो, लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के बीच शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट वोरिफिकेशन की मांग को लेकर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है बैलेट पेपर की मांग को लेकर दर्ज याचिका भी खारिज कर दी गई है। कोर्ट के इस फैसले से ईवीएम के जरिए डाले गए वोट की वीवीपैट की परिचयों से शत-प्रतिशत मिलान की मांग को झटका लगा है। एससी ने साफ कर दिया है कि देश में बैलेट पेपर से वोटिंग का दौर वापस नहीं आएगा। याने मतदान तो ईवीएम से ही होगा, इसके साथ ही वीवीपैट से 100 फीसदी पर्ची मिलान भी नहीं होगा। हालांकि, ईवीएम 45 दिनों तक सुरक्षित रहेगी और अगर नतीजों के बाद 7 दिनों के भीतर शिकायत की जाती है तो जांच कराई जाएगी। एससी ने इस मामले से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। माननीय जस्टिसने

The image consists of two parts. On the left, there is a portrait of Justice Kishan Bhavnani, an Indian judge, wearing a dark suit and tie. On the right, there is a hand-drawn sketch of the Supreme Court of India, featuring its iconic dome and flanking buildings, enclosed within a red circle.

अगर हम माननीय कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा रखे गए पक्ष की करें तो, चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोर्ट म 26 अप्रैल 2024 को आए माननीय की करें तो, लोस चुनाव के दूसरे चरण की को सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट वेरिफिकेशन याचिकाओं को खारिज कर दिया है। बैलेट र दर्ज याचिका भी खारिज कर दी गई है। ईसीएम के जरिए डाले गए वोट की वीवीपैट वेरिफिकेशन तिथि मिलान की मांग को झटका लगा है।



को बताया कि एक वोटिंग यूनिट में एक बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और एक वीवीपैटी यूनिट होती है। सभी यूनिट में अपना अपना माइक्रो कंट्रोलर होता है। इन कंट्रोलर से छेड़छाड़ नहीं हो सकती। सभी माइक्रो कंट्रोलर में सिर्फ एक ही बार प्रोग्राम फाईड किया जा सकता है। चुनाव चिह्न अपलोड करने के लिए हमारे पास दो मैन्युफैक्चर हैं, एक ईसीआई है और दूसरा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स। चुनाव आयोग ने बताया कि सभी ईसीएम 45 दिन तक स्ट्रॉन्नर रूम में सुरक्षित रखी जाती हैं। उसके बाद रजिस्ट्रार, इलेक्शन कमीशन से

इस बात की पुष्टि की जाती है कि क्या चुनाव को लेकर कोई याचिका तो दायर नहीं हुई है। अगर अर्जी दायर नहीं होती है तो स्ट्रॉन्ग रूम को खोला जाता। कोई याचिका दायर होने की सूरत में स्ट्रॉन्ग रूम को सीलबन्ड रखा जाता है। बुधवार को एससी ने कहा था कि अदालत चुनाव की नियंत्रण अर्थारिटी नहीं है। अदालत ने ईवीएम मुद्रे पर दो बार दखल दिया है। बेंच ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले वीवीपैटी पर दो आदेश जारी किए हैं, जो एक स्वतंत्र वोट सत्यापन प्रणाली है और मतदाताओं को यह देखने में सक्षम बनाती है कि उनके वोट सही ढंग से दर्ज किए गए हैं या नहीं। कोर्ट ने कहा, एक आदेश तब पारित किया गया था जब अदालत ने चुनावों के दौरान वीवीपैट के उपयोग का आदेश दिया था और दूसरा आदेश तब पारित किया गया था जब अदालत ने निर्देश दिया था कि वीवीपैट का उपयोग एक से बढ़ाकर पांच बूथों तक किया जाना चाहिए। अब आप सभी चाहते हैं कि हम मतपत्रों पर वापस जाने के लिए निर्देश जारी करें। बेंच ने कहा, यदि जरूरी हुआ तो वो मौजूदा ईवीएम सिस्टम को मजबूत करने के लिए निर्देश पारित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2019 में चुनाव आयोग से कहा था कि किसी संसदीय क्षेत्र में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम के साथ वीवीपैट की संख्या एक से बढ़ाकर पांच कर दी जाए। साथियों बात अगर हम इस केस और फैसले के असर को सभी पक्षकारों के नजरिए से समझने की कोशिश करें तो, केस और फैसले के असर को इन सभी पक्षों के नजरिए से समझते हैं। (1) आम आदमी यानी मतदाता सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से आम आदमी की वोट देने की प्रोसेस में कोई बदलाव नहीं होगा। बोटर पलिंग बूथ जाएगा। अंगूली पर स्थाही लगेगी। चुनाव अधिकारी कंट्रोल यूनिट का बटन दबाएगा। बोटर बैलट यूनिट में कैफिडेट के नाम के सामने का बटन दबाएगा और फिर कुछ सेकेंड तक वीवीपैट की लाइट में अपनी पर्ची देख सकेगा। (2) राजनीतिक पार्टियां और कैफिडेट्स, फैसले के बाद राजनीतिक पार्टियां और कैफिडेट्स के लिए एक रास्ता खुला है। वे ईवीएम की जांच करवा सकेंगे। इसे नीचे दिए पॉइंट्स से समझिए। दूसरे या तीसरे नंबर पर आपे वाले किसी कैफिडेट को शक है तो वह रिजल्ट घोषित होने के 7 दिन के भीतर शिकायत कर सकता है। शिकायत के बाद ईवीएम बनाने वाली कंपनी के इंजीनियर्स इसकी जांच करेंगे। किसी भी लोकसभा क्षेत्र में शामिल विधानसभा क्षेत्रवार की टोटल ईवीएम में से 5 प्रतिशत मरीनों की जांच हो सकेगी। इन 5 प्रतिशत ईवीएम को शिकायत करने वाला प्रत्याशी या उसका प्रतिनिधि चुनेगा। इस जांच का खर्च कैफिडेट को ही उठाना होगा। चुनाव आयोग ने बताया-जांच की समय सीमा और खर्च को लेकर जल्द ही जानकारी शेयर की जाएगी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आधिकारिक काल

जब से है 'सावधी'

‘હિન્દુત્વ ન હ જાનવાય જાવન મૂલ્યો પર સંકટ કા સમાધાન’

मानवाय जावन मूल्या पर सकट ह। इतिहास के किसी अन्य कालखण्ड में इस तरह का मानवीय संकट नहीं था। समाचार माध्यम भी जब कब विश्ववुद्ध की आशंका की बातें करते हैं। विचार ही मनुष्य जाति के वाह्य स्वरूप और आंतरिक उदात्त भाव के प्रसारक रहे हैं। विचार भी अपना प्रभाव खो रहे हैं। मानवीय सत्यता आधुनिक काल का मनुष्य विरोधी प्रेरक तत्व बन गई है। वातावरण में निश्चिन्ता नहीं है। संदेह और अनिश्चितता का वातावरण है। मनुष्य जाति भविष्य के भय से डरी हुई है। धन का प्रभाव और धन का अभाव दोनों ही मारक हैं। मानवता का बड़ा भाग पर्याप्त भोजन से वर्चित है। इस वर्ग में सामान्य चिकित्सा और शिक्षा, आश्रय-घर का अभाव है। आधुनिक सभ्यता के प्रभाव में अभावग्रस्त लोगों के सामने संकट है। विज्ञान के जानकार प्रकृति के तमाम रहस्य बता रहे हैं। निसंदेह वैज्ञानिक शोधों ने चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन आधुनिक वैज्ञानिक शोधों ने पृथ्वी ग्रह के अस्तित्व के समाप्त होने का खतरा पैदा कर दिया है। युद्ध के तमाम आश्वर्यजनक हथियार पृथ्वी और मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरा बन गए हैं। परमाणु हथियार सहित अनेक आश्वर्यजनक अस्त्रों की खोजों से पृथ्वी के ही अस्तित्व पर खतरा है। पृथ्वी ग्रह संकट में है और उससे पोषण पाने वाली मानव जाति भी संकट में है। वैज्ञानिकों ने तमाम ग्रहों की गतिविधि का पता लगा लिया है। आशंका है कि किसी समय पृथ्वी चन्द्रमा के निकट पहुंच सकती है। सूर्य का इंधन लाखों वर्ष से खर्च हो रहा है। सूर्य के ठंडा हो जाने से ही मनुष्य

2 3 4

लाल आतंक से प्रेम कर अपने पैर पर कुळ्हाड़ी मानती कांग्रेस

नक्सलवाद पर भाजपा शुरू स ही अक्रान्तिक रहता उम्मीद है, किंतु दूसरी और भारतीय राष्ट्रीयता के लिए यह बड़ी चुनावी चुनौती है।

काग्रस क नताओं का व्यवहार है, उसे लगता है कि कांग्रेस जरूर नक्सलियों से विशेष प्रेम रखती है। इसलिए जो कोई नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मर जाता है तो उसके नेता नक्सली के बाद जाकर उसे प्रद्वांजलि देने में भी परहेज़ नहीं करते। सोचिए; जब देश के विभिन्न राज्यों में जिसकी सरकार हो, वह कांग्रेस

इस तरह का कृत्य कर या इससे जुड़ नता प्रत्यक्ष उपर्याप्त नक्सलियों से मिलते हों अथवा उनके समर्थन आगे आएं, तब फिर यह कैसे कहा जा सकता है कि कांग्रेस नक्सलवाद का विरोध करती है? छत्तीसगढ़ के बस्तर रीजन के कांकिर में मारे गए माओवादी (नक्सली) नेता सिरीपेल द्वारा सुधाकर उर्फ शंकर राव के घर कांग्रेस की एक वरिष्ठ नेता और तेलंगाना की कांग्रेस सरकार में मंत्री अनुसुद्धा दानसुद्धा उर्फ सीताकांका अभी कुछ दिन पहले ही पहुंची और उनका इससे जुड़ा वीडियो भी वायरल है। जबकि राज्य सर्वविदित है कि नक्सली आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति सुधाकर कई हिंसक घटनाओं में शामिल था और सुरक्षा बलों को उसकी तलाश थी। अब आप ही चिचारें; कांग्रेस पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता और एक राज्य तेलंगाना में मंत्री भी हो, वह किसी नक्सली के घर जाकर उसके परिवार के सामने संवेदना व्यक्त करे तो उसके इस कृत्य को क्या माना जाए? क्या यह देशभक्ति है या देशद्रोह? ऐसे में वालोंग आज कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी के एक जिम्मेदार नेता का यह आचरण केवल चरमपंथियों, वामपंथियों कार्यों को महिमार्दित करने और उसे वैद्य बनाने के काम आता है। साथ ही यह कानून व्यवस्था बनाए रखने सुरक्षा बलों के प्रयासों को कमजोर करते हैं। प्रश्न यह कि क्या यह पहली घटना है, जब किसी नक्सली के प्रकांग्रेस के नेता द्वारा हमर्दी जताई गई। वस्तुतः छत्तीसगढ़ के जंगल में सुरक्षाकालों ने चार घंटे तक चली मुठभेड़ जब 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया जाता है, तब इस

हृदयावरदकता इतना आधक था कि नक्सालियों ने बस्ती टाइगर महेंद्र कर्मा को करीब 100 गोलियां मारीं और चाहे से उनका शरीर पूरी तरह छलनी कर दिया था। नक्सलियों ने उनके शव पर चढ़कर डांस भी किया था। इसी प्रकार कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन का नक्सली समर्थक बयान सामने आ चुका है। जिस पर पिछले वर्ष भाजपा ने वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने पलटवार करते हुए पूछ की पूरी कांग्रेस पार्टी को ही नक्सल समस्या की जननी और संरक्षक बताया था। साथ ही कहा कि देश और प्रदेश वे विकास को नक्सलियों ने अवरुद्ध किया। शहरों में रहने वाले नक्सलियों के समर्थकों ने विकास को रोका। कांग्रेसियों में नक्सलियों के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर है जोकि देश के लिए बहुत घातक है। दरअसल, सांसद रंजीत रंजन ने कहा कि सभी नक्सली लोग गलत नहीं होते। बहुत लोगों का गलत तरीके से फायदा उठाया जाता जाता है। बहुत लोग उनके नाम से ढुकने चला रहे होते हैं। वह भी इंसान है हम भी इंसान हैं तो डर कैसा। जो लोग यह पैदा कर रहे हैं वह नहीं चाहते कि शांति बहाल हो। यानी कि एक तरफ से सांसद रंजीत रंजन ने नक्सलियों को भोला-भाला इंसान करार दिया था, जोकि कई भोले भाले आमजन, नेताओं और पुलिस फोर्स, सैनिकों के हत्यारे हैं। यह भी एक तथ्य है कि वर्ष 2018 में प्रतिवर्धित नक्सलियों से साठगांठ देने आरोप में गिरफ्तार और नजरबंद तत्कालीन 10 लोगों देने पास मिले दस्तावेजों से देश में अस्थिरता फैलाने की बड़ी साजिश का सकेत मिलता था। चौंकाने वाली बात यह है कि नक्सलियों की मदद कर रहे 'शहरी नक्सली' इस मामले में कांग्रेस की सहायता मिलने का भी दावा कर रहे थे भीमा केरोगांव हिंसा मामले में गिरफ्तार रोना विल्सन वेलैपटॉप में एक बड़े नक्सली नेता की ईमेल मिली। ईमेल में 'कामरेड एम' ने दलित आंदोलन की आड़ में देश की अस्थिरता फैलाने में कांग्रेस का साथ मिलने का दावा किया गया था। विल्सन को भेजी ईमेल में लिखा गया कि शहर में रहने वाला शीर्ष नक्सल नेतृत्व कांग्रेस में हमारे कुदोस्तों के साथ संपर्क में है। वे दलित आंदोलन को और भी आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाने का सुझाव दे रहे हैं।

माना करनाव हिंसा के दो दिन बाद ही लेख इमल वहां चले आंदोलन को काफी सफल बताया गया। इस साथ ही हिंसा में एक व्यक्ति की मौत को मुद्दा बनाते हुए आगे भी आंदोलन चलाने और इसके लिए दुष्प्रचार सामने तैयार करने का निर्देश दिया गया था। 'कामरेड एम' अनुसार नक्सल नेतृत्व ने भीमा कोरेगांव हिंसा के लिए कामरेड सुधीर को दो बार फंड भेजा था। इसके साथ आगे के आंदोलन के लिए जरूरी फंड की जिम्मेदारी कामरेड शोमा और कामरेड सुरेंद्र को सौंपी गई। 'कामरेड एम' ने रोना विल्सन को बताया है कि किस तरह नक्सल नेतृत्व भीमा कोरेगांव की तर्ज पर अन्य भाजपा शासित गाज़ों में उग्र दलित आंदोलन खड़ा करने की तैयारी जुटा है। इस काम में जुटे विश्वरूपा, सुदीप, सुशील 3 देवजानी का मोबाइल नंबर भी दिया गया। इसमें में नक्सल साक्ष्य महत्वपूर्ण है कि रोना विल्सन ने ही पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तर्ज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाथ की साजिश का सुझाव अपनी ईमेल में नक्सली नेतृत्व को दिया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद रोना विल्सन जून में ही गिरपक्षी कर लिया गया था। वस्तुतः आज वह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि देश के 11 राज्यों में नक्सल से प्रभावित हैं। कुल 90 जिलों में नक्सली हिंसा देखने को मिलती है। सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित राज्य हैं- छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, ओडिशा, आंध्र प्रदेश तेलंगाना। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही घटनाएं इसके तस्वीक करती हैं, जहां नक्सली हर साल कई बार सुरक्षाकर्ताओं को निशाना बनाते हैं। हजारों जाने ऐसे हमें जा चुकी हैं और साल दर साल जा रही हैं। ये नक्सली दावा करते हैं कि वे बनवासियों, छोटे किसानों और गरीबों की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि ये सच नहीं है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा जनकल्याण की योजनाओं तक आरंभ नहीं होने देते हैं। अपने डर के साथ में लोगों ने रखते हैं और उन्हें विकास की मुख्य धारा से जान-बूझा दूर रखते हैं ताकि उनके मन में शासन के प्रति विद्रोह भावना भरना आसान हो जाए।

र्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवा

(वेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा

स्वामा, पारजात माइनग इण्डस्ट्रिज (झांडया) प्रा. लि. का आर स इसके पालकशन डिवाजन, रेडमा मादनानगर (डालटनगाज), स हष्ठवद्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं एस एच प्रिट्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व म शिवासाइ पालकशन प्राइवेट लिमिटेड), नवर टडर बागचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13। प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेडमा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

राफा पर हमले से पहले इजरायल ने बंधक समझौते का दिया आखिरी मौका

एजेंसी। तेल अवीव



इजरायल गाजा युद्ध में युद्धविराम और बंधक समझौते को हासिल करने के लिए स्टेस्ट्रॉप्रायों को राफा शहर पर योजनाबद्द हमले से पहले आखिरी मौके के रूप में देखता है। एक विरुद्ध इजरायली अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार को तेल अवीव में मिस्र और इजरायली प्रतिनिधियों के बीच बातचीत 'बहुत अच्छी' और केंद्रित थी। जाहिर तौर पर मिस्रायासी किसी समझौते पर पहुंचने के लिए फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास पर कहा कि बातचीत के स्पष्ट क्षेत्रों में प्रगति हुई है।

टाइम्स ऑफ इजरायल में घटावने के लिए तैयार थे। इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि इजरायल, राफा में योजनाबद्द सैन्य हमले को रोकने के लिए

हमास को विशेष रूप से गाजा पट्टी में उत्के नेता याद्दा अल-सिनवार को बधक समझौते में देख करने की अनुमति नहीं देता।

याद्दा अल-सिनवार को 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में हुए नरसंदार का मास्टरमाइंड माना जाता है, जिसमें लगभग 1,200 इजरायली सैनिक और नागरिक मारे गए थे। जबकि 200 से ज्यादा लोगों को गाजा में अपहरण कर लिया गया था। इजरायली सेना का मानना है कि अल-सिनवार राफा के नीचे सुरंगों में छिप हुआ है।

नमो एप पर अनूठा 'अमृत पीढ़ी के सपने'
मॉड्यूल लांच

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक नमो एप पर 'अमृत पीढ़ी के सपने' नाम के एक नए मॉड्यूल को लॉन्च किया गया है। यह एक ऐसा मॉड्यूल है, जहा आप भारत को संस्कृत वाले विकल्पों को लॉन्च करते हैं। पीप्म मोदी ने कहा कि, "हमरे आज के फैसले भारत के कल को बनाएं। भारी पीढ़ियों के लिए विकसित भारत @2047 की कल्पना में शामिल होने के लिए इस मॉड्यूल में आप यह निश्चित कर सकते हैं कि एक राष्ट्र के तौर पर हमारे लिए क्या ऐक है और आप नहीं।" यह मॉड्यूल प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत के भारी पीढ़ियों को एक उत्तरवाल भविष्य देने की प्रतिबद्धताओं को एक अनुरूप स्वरूप में प्रदर्शित करता है। यह मॉड्यूल पूरी तरह से यूथ-फ्रेंडली है। इस मॉड्यूल को एक इंटरैक्टिव कार्ड के रूप में विकसित किया गया है।

पीएम को सिखों से है लगाव, मिलकर करेंगे दिल्ली और पंजाब का विकास

एजेंसी। नई दिल्ली
दिल्ली और पंजाब के विकास के भाजा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लिए कार्य करती रहे। भाजा के बड़े पैमाने पर सिख समाज के कार्यों के पार्टी में शामिल होने को भाजा के लिए गौवर और खुशी की बात बताए हुए कहा है कि जीपी नड्डा ने कहा कि सिख कोंक्रीट के लिए अगर सभी मार्यान में किसी ने काम किया है, तो वो प्रधानमंत्री नें दो मोदी ने किया है।

जेल में बंद अमृतपाल लोस चुनाव में आजमाएंगे अपनी किस्मत

दिल्ली। उन्होंने सैन प्राप्तिकों शिखर सम्मेलन के बाद से बंद खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के लोकसभा चुनाव और शिखर सम्मेलन के दौरान हुए महाविष्णु समझौतों के कारबाह्यन में तेजी लाने की प्रतिबद्धता जतायी। दुसरा, दोनों पक्षोंने शासन के विभिन्न स्तरों पर उच्च स्तरीय आदान-प्रदान और जुड़ाव बनाए रखने के महत्व पर सहमति जतायी।

दिल्ली। उन्होंने सैन प्राप्तिकों शिखर सम्मेलन के बाद से बंद खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के लोकसभा चुनाव और शिखर सम्मेलन के दौरान हुए महाविष्णु समझौतों के कारबाह्यन में तेजी लाने की प्रतिबद्धता जतायी। कहा गया कि जेल में बंद अमृतपाल लोस चुनाव में चुनाव लड़ेगा। सभी धर्मों के लोग चुनाव लड़ेंगे। अमृतपाल खुद चुनाव में चुनाव लड़ेगा। सभी धर्मों के लोग चुनाव लड़ेंगे। अमृतपाल ने जेल में चुनाव लड़ेगा। अमृतपाल ने जेल में चुनाव लड़ेगा।

अखिलेश का भाजपा पर हमला, कहा ये लोग संविधान खत्म करना चाहते हैं

एजेंसी। कानपुर

समाजादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कानपुर देवत के रसूलाबाद में एक राड शो में बीजेपी

साथी और अपनी प्रतिविधियों को लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर साहब का संविधान खत्म करना चाहते हैं।

शुरू और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

साजा और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

सुनील और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

सुनील और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

सुनील और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं, जो बाबा भीमराव अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे बहारे हैं।

नवीन और अंबेडकर संघरण की लोकसभा में बोला कि वे ब

